

तुबारि संपादकीय
टीम

◆अस इ उम्मिद करुं लगे से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

◆इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एकट अन्तर रिजिट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ू जे इ पत्रिका शुरु कियो सि।

◆तुबारि एक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

◆तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलित कहेण जे नेई छपाण लगे। अगर कोइ ई सोचता बि त अस जिम्मेवार नेई।

◆छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पागेई मेहणु हुरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाडि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

◆आर्टिकलस ना मिलए, या घाटि मेहणु के मदद ना मिलए त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

◆कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

◆अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेइ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्राप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर आर्टिकलस रखुं जे सुविधा कियो असि।

◆अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अच्छा आर्टिकल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पांगवाडी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंनदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

☎ 9418431531

☎ 9418429574

☎ 9418329200

☎ 9418411199

☎ 9418411599

“तकड़े असे न”

इस मेहने केआं तुबारि मासिक पत्रिके दुई साल भोई गई।
तुबारि संपादकीय टीमे कनारा सोबी तुबारि पढ़ू बाड़ि, लेखक त
दुकानदारी के मदद जे धन्यवाद,
“जुग-जुग जिये” ओर जुकारू बधे!

अपु गी बणाण

सुआ साल पेहले एक मोटा ई अमीर साहुंकार थिआ। तेन साहुंकारे अपु कम पुठ बाड़ी बुचा एक जेई जे बोलु “अउं तोउ एक दूर देश लंघान्ता। तु तठ घेई कइ मोउ जे एक अब्बुल ई गी बणा। गी की बणाण त तस पुठ कि-कि लाण, से तें जिम्म असु। अउं से सोब खर्चा कता। पर याद रख कि अउं तेस गी अपु एक खास दोस्त जे बणा लगे असा। त सोब कुछ सुसुर सुसुर करिण दे।”

त से नौखर बड़ी खुशी जुए तेस देश घेन्ता। तठ गी बणाण जे सोब अब्बुल अब्बुल चीज मेतीथ पर तेस नौखरे अपु चाल थी। तेनि अपफ जे बोलु, “ओ यारा कि असु, अउं कुछ सस्ति चीजे बई एस गी बणान्ता त तेस पुठ अब्बुल रंग लान्ता तउं ए: गी बि अब्बुल केतु। मालिक त इठ नेई। मालिक कीं

पता लगता कि मेई कीं-कीं चीजे बलि गी बणो असु? सिर्फ मोउ पता भुन्ता इस बारे।” त तेनि बड़ा दिमाख दौड़ा त तेनि गी कमजोर चीजे बोलि बणाई छऊ।

पता तेनि नौखरे अपु मालिक केई घेई कइ बोलु, “मालिक, तुं गी बणि गो असु।” त से साहुंकार तस जे बोता,

“शबाश, तोउ त पता भोल कि मेई से गी अपु कैसे खास दोस्त जे खरी खरी चीजे बलि बणो असु। अब तु घेई कइ तस गी बिश। किस कि तु में से खास दोस्त भो। से गी तोउ।”

अस बुछ कोइ ई कम बोड़ा नेई, जेन्हि सरकार कम करुं जे रुपेई त सोब साधन देन्ति। ताकि कोई अब्बुल रोड़, या पुड़, गी या योजना बणती। अस सोचते कि अस सरकारे बुछु बणान्ते। त अस इस कथाए नौखरे ई काम कते। पर पता से काम असी जे भुन्तु। अस से कमजोरी सेहन्ते त कष्ट पान्ते। शम्मा सिंह

त एइए सोब मी कइ सोह कते कि अस इमानदारी जुए काम कते त हें पाँगी घाटी सुहिलयत कते।



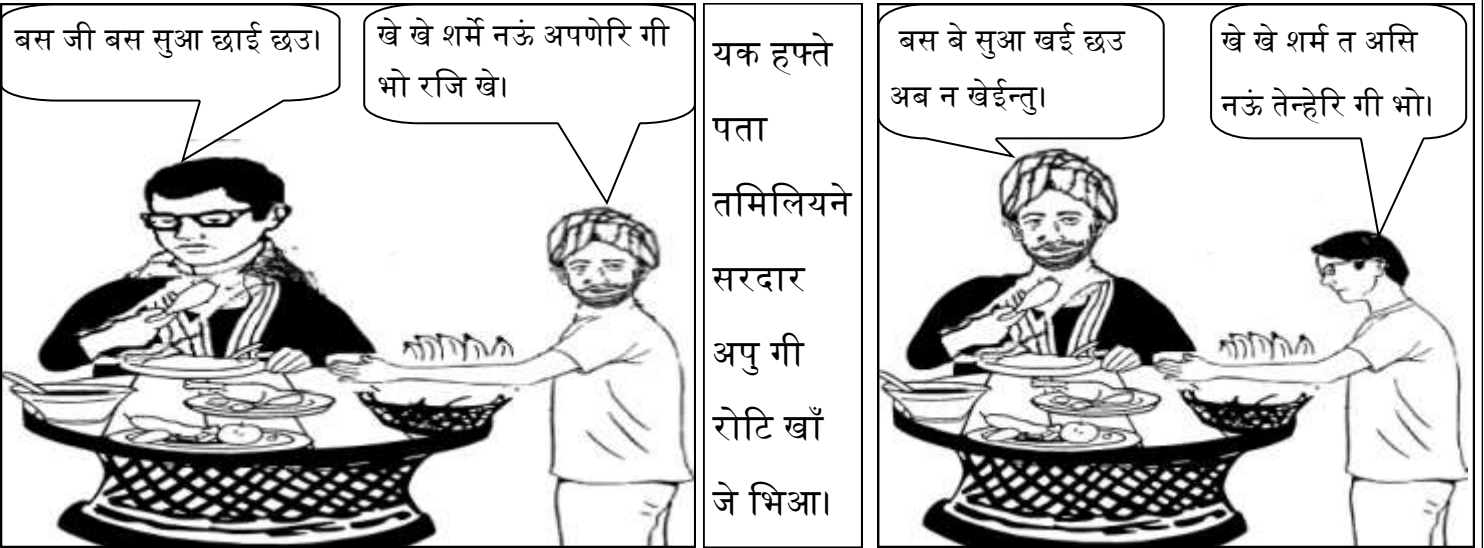
- ❁ कन खाण – बाते कर कर के तंग करना। (रात भइ कन खाई छड़े।)
- ❁ गौरेशि खाण – बहुत ज्यादा खाना। (जानवर जितना खाना)
- ❁ जिल्हाणु खाण, मडदे नहाण – जल्दी जल्दी करना।
- ❁ कुतरेउ हलोटे स्वाद लगुण – अपना ही बुराई करना।
- ❁ दुई जोड़ी बणेयेल त धारे जोत बि जी सकते – दो साथ रहे त कोई बि विपत्ती का सामना कर सकेंगे।
- ❁ जे उतौडा से बोउरा, जे धीरा से पूरा – जल्दी जल्दी करने से बहुत गलतियां होती है, और धीरे धीरे करने से सब ठीक ठाक होता है।
- ❁ बुड त हुड बराबर भुन्ता – अच्छा हो या बुरा आदमी कोई फरक नहीं पड़ता।
- ❁ स्याणे जुवान, आमडे स्वाद – बजुर्गों की बाते कड़वा होती है पर उसका फल अच्छा है।
- ❁ यक थूक त शह सुखे, सोउ थूके त हाड बके – ज्यादा बातों में अनर्थ की कमी नहीं होती।
- ❁ सोउ सुख यक ना – ना सुख ना दुःख, एक ही हाल है। करारा ईन्कार करना।

कुछ खास खबर

- ❖ पेंगेई खास त्योहार जुकारु 11 फरवरी असु तेसि सोब मेहणु एकि होरि जुओई गड़ा मेड़ा कते।
- ❖ हियुन्ते छुट्टी कैआं पता पेंगेई सोब स्कूल 12 फरवरी कैआं खुलुण लगोसे।
- ❖ हि० प्र० स्कूली बोर्ड, अठवी, दशवीं त बाहरवी (रेगुलर त SOS) इस साले ईम्तिहान 4 मार्च कैआं शुरु असे।

यक सरदार अपु तमिलियन दोस्त रोटि खाँ जे भियान्ता जैसे हिन्दी कमजोर असि।.....

By Shubham



ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 📞 9418429574

Physical Medicine Rehabilitation Clinic

Dr. Rosy Dhanunjay. Moth

पेंगेई मेहणु जे खुशखबरी असि कि, पी० एम० आर० क्लीनिक (PMR Clinic) जल्दि किलाड़ पोस्ट ओफिसे भेड़ खुलणे बाड़ा असा।

📞 9418411599

रीड़े हड्डी चोट, जिस्म सुन भुणे बिमारी, मोडु चिंग, जियेणु चिंग, टुटो हड्डी, अपंग त होरि बिमारी के हस्पताड़ रिफ्रेन्स बोलि मरीजे ईलाज इठि भून्ता।

Cerebral palsy, Paralysis, Spinal cord injury, Spondylosis, Physiotherapy and Physical disability counseling etc treatment is available here. Timings:- Monday to Friday 10.00AM to 01.00.PM.